Rizwan

Package of Practice

Particular	English	Hindi
Crop	**Tomato**	**Tomato**
Season/Region	Rabi, Kharif & Summer as per Truthful Label.	ट्रुथफुल लेबल के अनुसार रबी, खरीफ और ग्रीष्मकालीन।
Land preparation	The field should be well prepared free from weeds and well drainage facility. 1-2 deep ploughing, Soil should be exposed to sunlight, 3 to 4 rounds of harrows to reach fine tilt. Before the final harrow, apply 8 to 10 MT well-decomposed FYM/acre along with 250 gm Trichoderma for controlling soil-borne fungus.	खेत को खरपतवारों से मुक्त और अच्छी जल निकासी की सुविधा के साथ अच्छी तरह तैयार किया जाना चाहिए। 1-2 गहरी जुताई करें, मिट्टी को धूप में खुला रखें, 3 से 4 बार हैरो चलाएँ ताकि मिट्टी अच्छी तरह से झुक जाए। अंतिम हैरो चलाने से पहले, मिट्टी जनित फफूंद को नियंत्रित करने के लिए 8 से 10 मीट्रिक टन अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद/एकड़ के साथ 250 ग्राम ट्राइकोडर्मा डालें।
Seed rate & Method	Seed Rate: 40-50 g per acre. Sowing: Prepare the raised bed of 180x90x15cm, for 1 acre 10 to 12 beds are required. The nursery should be free from weeds and debris. Line sowing is recommended. Distance between two rows: 8-10 cm (4 fingers) apart, Distance between seed to seeds : 3-4 cm (2 fingers), Seeds are sown in line at 0.5-1.0 cm deep. Transplanting: Transplanting should be done 21-25 days after sowing.	बीज दर: 40-50 ग्राम प्रति एकड़। बुवाई: 180x90x15 सेमी की उठी हुई क्यारी तैयार करें, 1 एकड़ के लिए 10 से 12 क्यारियों की आवश्यकता होती है। नर्सरी खरपतवार और मलबे से मुक्त होनी चाहिए। पंक्तिबद्ध बुवाई की सलाह दी जाती है। दो पंक्तियों के बीच की दूरी: 8-10 सेमी (4 अंगुल) बीज से बीज की दूरी: 3-4 सेमी (2 अंगुल), बीजों को पंक्तिबद्ध रूप से 0.5-1.0 सेमी गहराई पर बोया जाता है। रोपाई: बुवाई के 21-25 दिन बाद रोपाई करनी चाहिए।
Spacing	Spacing: Row to Row and Plant to Plant - 120 x 45 or 90 x 45 cm.	दूरी: पंक्ति से पंक्ति और पौधे से पौधे - 120 x 45 या 90 x 45 सेमी.
Harvest	Harvest the fruit at the time of physiological maturity. It starts maturing by 65 -70 days after transplanting- depending on season/climate. Picking is done generally at an interval of 4-5 days. Depending on type of market/distance -tomato are picked.	फलों की कटाई शारीरिक परिपक्वता के समय करें। रोपाई के 65-70 दिन बाद टमाटर पकना शुरू हो जाते हैं - मौसम/जलवायु पर निर्भर करता है। टमाटर की तुड़ाई आमतौर पर 4-5 दिनों के अंतराल पर की जाती है। बाज़ार के प्रकार/दूरी के आधार पर टमाटर तोड़े जाते हैं।
Nutrient Management	Total N:P:K requirement @ 100:150:150 kg per acre. Dose & Timing: Basal Dose: Apply 33% N and 50% P, K as basal dose during final land preparation. Top Dressing: 33% N and remaining P, K at 30 days after transplanting and 34% N at 50 days after transplanting.	कुल नाइट्रोजन: फास्फोरस: पोटेशियम की आवश्यकता 100:150:150 किग्रा प्रति एकड़। मात्रा एवं समय: आधारभूत मात्रा: अंतिम भूमि तैयारी के दौरान 33% नाइट्रोजन और 50% फास्फोरस, पोटेशियम की आधारभूत मात्रा डालें। टॉप ड्रेसिंग: रोपाई के 30 दिन बाद 33% नाइट्रोजन और शेष फास्फोरस, पोटेशियम डालें और रोपाई के 50 दिन बाद 34% नाइट्रोजन डालें।
Pest & Disease management	For effective Diseases & Pest control use the following Insect and disease solution: After Transplanting soil drench with Voliam Flexi @200 ml/acre Powdery Mildew and Late Blight- Apply Amistar (200ml/acre), Amistar TOP (200 ml/acre), Revus(160 ml/acre), Folio Gold (400 ml/acre) Alternaria/Anthracnose - Apply Blue Copper @ 600g/acre, Alternaria - Apply Kuman L @ 600 ml/acre and for any other diseases apply fungicide as per recommendation from the Department of Agriculture (plant protection). Aphid+Jassid+White Fly - Apply Actara @ 40g/acre,Alika @ 50 ml/acre Mites - Apply Pegasus @ 200ml/acre Fruit Borer - Apply Alika @ 50 ml/acre, Matador @ 120 ml/acre, and for any other Insects apply recommended insecticides.	प्रभावी रोग और कीट नियंत्रण के लिए निम्नलिखित कीट और रोग समाधान का उपयोग करें: रोपाई के बाद, मिट्टी को 200 मिली/एकड़ की दर से वोलियम फ्लेक्सी से गीला करें। पाउडरी मिल्ड्यू और लेट ब्लाइट - एमिस्टार (200 मिली/एकड़), एमिस्टार टॉप (200 मिली/एकड़), रेवस (160 मिली/एकड़), फोलियो गोल्ड (400 मिली/एकड़) का प्रयोग करें। अल्टरनेरिया/एंथ्रेक्नोज - ब्लू कॉपर 600 ग्राम/एकड़ की दर से प्रयोग करें। अल्टरनेरिया - कुमान एल 600 मिली/एकड़ की दर से प्रयोग करें। अन्य रोगों के लिए, कृषि विभाग (पौध संरक्षण) की सिफारिश के अनुसार कवकनाशी का प्रयोग करें। एफिड+जैसिड+सफ़ेद मक्खी - एक्टारा 40 ग्राम/एकड़, अलीका 50 मिली/एकड़ की दर से डालें। माइट्स - पेगासस 200 मिली/एकड़ की दर से डालें। फ्रूट बोरर - अलीका 50 मिली/एकड़, मैटाडोर 120 मिली/एकड़ की दर से डालें। और किसी भी अन्य कीट के लिए अनुशंसित कीटनाशक डालें।
Weed Control - Chemicals with doses and timing	Timely weed removal is very important, need based hand weeding can be done to ensure healthy crop.	समय पर खरपतवार निकालना बहुत महत्वपूर्ण है, स्वस्थ फसल सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकतानुसार हाथ से निराई की जा सकती है।
Irrigation Schedule	Irrigation Frequency Depends upon: A. Soil type: Light soils need more frequency. Heavy soils need less frequency. B. Crop stage: Vegetative stage: maintain adequate moisture for the development of roots. Flowering & fruiting - frequent and shallow irrigation. Harvesting - gradually reduce irrigation during harvesting. C. Growing season: Summer - requires frequent irrigation. Winter- As against the summer season, in winter the irrigation frequency is longer. Rainy - very less frequency depending upon soil moisture.	सिंचाई की आवृत्ति इस पर निर्भर करती है: क. मिट्टी का प्रकार: हल्की मिट्टी में अधिक बार सिंचाई की आवश्यकता होती है। भारी मिट्टी में कम बार सिंचाई की आवश्यकता होती है। ख. फसल अवस्था: वानस्पतिक अवस्था: जड़ों के विकास के लिए पर्याप्त नमी बनाए रखें। पुष्पन और फलन - बार-बार और उथली सिंचाई करें। कटाई - कटाई के दौरान सिंचाई धीरे-धीरे कम करें। ग. उगने का मौसम: ग्रीष्म - बार-बार सिंचाई की आवश्यकता होती है। शीत ऋतु - ग्रीष्म ऋतु के विपरीत, शीत ऋतु में सिंचाई की आवृत्ति अधिक होती है। वर्षा - मिट्टी की नमी के आधार पर बहुत कम बार सिंचाई की आवश्यकता होती है।